



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुकवार, 8 जुलाई, 2005/17 आषाढ़, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 10 जून, 2005

संख्या पर्यटन-एफ0(5)-9/2000.—हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास और रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 2002 (2002का 15) की धारा 64 की उप-धारा (2) के खण्ड (च) और (छ) के अधीन यथा अपेक्षित प्रारूप हिमाचल प्रदेश रीवर राफ्टिंग नियम 2002 को जनसाधारण के आक्षेप/सुझाव आमंत्रित करने हेतु इस विभाग की ममसंख्यक अधिसूचना तारीख 24 अगस्त, 2002 द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) तारीख 28-9-2002 को प्रकाशित किया गया था; !

और चूंकि नियत अवधि के दौरान इस निमित्त कोई आक्षेप/सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतः अब हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2002 की धारा 64 की उप-धारा (2) के खण्ड (च) और (छ) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात् :—

### नियम

#### अध्याय-1

#### प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश रीवर राफ्टिंग नियम, 2005 है।

(2) इन नियमों का विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश राज्य पर होगा।

(3) ये राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—(1) इन नियमों में जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ में विरुद्ध न हो,—

- (क) “अधिनियम” से, हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2002 अभिप्रेत है ;
- (ख) “संगम” से, हिमाचल प्रदेश सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1968 के अधीन रजिस्ट्रीकृत कोई सोसाइटी अभिप्रेत है ;
- (ग) “कर्मिंदल सदस्यों” से, इसके अन्तर्गत प्रचालन में साथ-साथ चलने वाले गाइड सहित वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जो रीवर राफ्टिंग प्रचालन संचालित करते हैं ;
- (घ) “गाइड” से, वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो इन नियमों के प्रयोजन के लिए इस रूप में रजिस्ट्रीकृत है और प्रचालन में इसके निविधन और सुरक्षित समापन के मार्ग दर्शन के लिए साथ-साथ रहता है ;
- (ङ) “आपरेटर” से, यात्रा अभिकर्ता चाहे वह (वे) वैयक्तिक, कम्पनी या संगम अथवा सोसाइटी हो अभिप्रेत है जो अधिनियम के अधीन रीवर राफ्टिंग के कार्यान्वयन के लिए उसी रूप में रजिस्ट्रीकृत हों ;
- (च) “प्रचालन” से इन नियमों के अधीन प्रारम्भ किया जाने वाला या प्रारम्भ की गई रीवर राफ्टिंग आमोद यात्रा (ट्रिप) अभिप्रेत है ;
- (छ) “भागो” से वह व्यक्ति अभिप्रेत है/हैं जो किसी प्रचालन में भाग लेता है/लेते हैं ;
- (ज) “राफ्ट” से बोट (नौका) के स्थान पर अनुकल्प के रूप में नदी पर चलाया/तैराया जाने वाला/तैरने वाला ढांचा अभिप्रेत है ;
- (झ) “सीजन” से इन नियमों के प्रयोजन के लिए सम्पूर्ण वर्ष अभिप्रेत है, जिससे पन्द्रह जुलाई से पन्द्रह सितम्बर, की अवधि जिसके दौरान कोई भी रीवर राफ्टिंग प्रचालन अनुज्ञात नहीं होगा सम्मिलित नहीं है :

परन्तु जिला लाहौल-स्पीति में पन्द्रह जुलाई से पन्द्रह सितम्बर के दौरान राफ्टिंग प्रचालन अनुज्ञात किया जा सकेगा यदि मौसम परिस्थितियाँ ऐसा अनुज्ञात करती हैं।

- (ण) “धारा” से, अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;
- (ट) “यात्रा अभिकर्ता” से, इन नियमों के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो धन सम्बन्धी प्रतिफल के लिए रीवर राफ्टिंग प्रचालन व्यवस्था के कारोबार में रजिस्ट्रीकृत और लगा हुआ है ; और
- (ठ) “तकनीकी समिति” से, नियम 6 के अधीन राज्य सरकार द्वारा गठित समिति अभिप्रेत है ;

(2) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु इन नियमों में परिभाषित नहीं हैं, के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

## अध्याय-2

### रजिस्ट्रीकरण

1. रीवर राफ्टिंग हेतु आवेदन के लिए प्रक्रिया.—आगामी सीजन के दौरान रीवर राफ्टिंग प्रचालन के लिए आवेदन ऑपरेटर से, प्रत्येक वर्ष प्रथम जनवरी से प्रथम अप्रैल तक यथास्थिति, जिला पर्यटन विकास अधिकारी या सहायक पर्यटन विकास अधिकारी के कार्यालय में प्राप्त किए जाएंगे। यथास्थिति, सम्बद्ध जिला पर्यटन विकास अधिकारी या सहायक पर्यटन विकास अधिकारी प्रारम्भ में इन आवेदनों की संवीक्षा करेंगे और इन्हें तकनीकी समिति के समक्ष रखेंगे, जो प्रत्येक वर्ष अर्द्ध अप्रैल में पूर्ण बैठक करेगी और दस्तावेजों, उपस्करों की संवीक्षा/निरीक्षण, गाइडों के व्यावहारिक/शारीरिक परीक्षण संचालित करने के लिए तथा सभी अर्हित ऑपरेटरों को कम से कम पन्द्रह दिनों का सुस्पष्ट नोटिस देकर अग्रिम अनुमोदन के लिए तारीख समय और स्थान नियुक्त करेगी।

(2) सीजन के मध्य में किसी भी ऑपरेटर को, रीवर राफ्टिंग करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। सभी ऑपरेटर, उप-नियम (1) में यथा अधिकथित प्रक्रिया का अनुसरण करेंगे।

(3) यथास्थिति, ऑपरेटर या संगम, हिमाचल प्रदेश के पर्यटन विभाग के माध्यम रजिस्ट्रीकृत होंगे और कम से कम एक वर्ष का स्थानीय कार्यालय होगा।

4. रीवर राफ्टिंग के लिए ऑपरेटर की अर्हताएं और रजिस्ट्रीकरण.—(1) रीवर राफ्टिंग के लिए आशयित सभी ऑपरेटर, यथास्थिति, सम्बद्ध जिला पर्यटन विकास अधिकारी या सहायक पर्यटन विकास अधिकारी को रजिस्ट्रीकरण के लिए के पक्ष में सौ रूप के मांगदेय ड्राफ्ट के साथ आवेदन करेगा। यथास्थिति, सम्बद्ध जिला पर्यटन विकास अधिकारी/सहायक पर्यटन विकास अधिकारी तकनीकी समिति के अनुमोदन के पश्चात् सम्बद्ध ऑपरेटर को रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा। इस प्रकार जारी की गई अनुज्ञप्ति जारी करने की तारीख से एक व की अवधि के लिए विधिमान्य होगी।

(2) रीवर राफ्टिंग प्रचालनों को क्रियान्वित करने के लिए रजिस्ट्रीकृत ऑपरेटर से भिन्न किसी व्यक्ति को प्रत्यक्षतः स्वयं या उसके कर्मचारी के माध्यम से किसी प्रचालन को तब तक जारी रखना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि तकनीकी समिति का समाधान नहीं हो जाता है कि ऑपरेटर के पास सभी उपस्कर हैं और वह इन नियमों के अधीन अन्य अपेक्षाओं को पूर्ण करता है तथा उसका प्रस्ताव तकनीकी समिति द्वारा सम्यक रूप से अनुमोदित/नोडित कर दिया गया है।

(3) किसी भी ऑपरेटर को रीवर राफ्टिंग की तब तक अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जब तक कि उसके पास अच्छे ड्रैक-रिकार्ड सहित रीवर राफ्टिंग में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव रखने वाले प्रशिक्षित और अर्हित गाइड न हों।

5. गाइड की अर्हता और रजिस्ट्रीकरण.—गाइड के रूप में किसी प्रचालन में भाग लेने के लिए आशयित कोई व्यक्ति, यथास्थिति, सम्बद्ध जिला पर्यटन विकास अधिकारी या सहायक पर्यटन विकास अधिकारी के पक्ष में सौ रूप के ड्रैक मांगदेय ड्राफ्ट सहित, आवेदन, यथास्थिति सम्बद्ध जिला पर्यटन विकास अधिकारी/सहायक पर्यटन विकास अधिकारी को करेगा, जो अपना समाधान होने पर, कि रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति, तकनीकी समिति के अनुमोदन के साथ रजिस्ट्रीकरण के लिए अपेक्षित अर्हताएं और स्तरमानों को पूर्ण करता है, रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को प्रमाण-पत्र जारी करेगा। इस प्रकार जारी प्रमाण-पत्र एक वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगा।

6. तकनीकी समिति का गठन.—सरकार, अधिसूचना द्वारा, रीवर राफ्टिंग के प्रत्येक क्षेत्र के लिए तकनीकी समिति का गठन करेगी जो निम्नलिखित सदस्यों से गठित होगी, अर्थात् :—

- |   |               |
|---|---------------|
| (1) निदेशक पर्वतारोहण संस्थान, मनाली                            | .. अध्यक्ष    |
| (2) सम्बद्ध उप-मण्डल अधिकारी (सिविल) या उसका प्रतिनिधि          | .. सदस्य      |
| (3) सम्बद्ध क्षेत्र का पुलिस अधीक्षक या उसका प्रतिनिधि          | .. सदस्य      |
| (4) सम्बद्ध क्षेत्र का मुख्य चिकित्सा अधिकारी या उसका प्रतिनिधि | .. सदस्य      |
| (5) वरिष्ठ जल-क्रीड़ा अनुदेशक                                   | .. सदस्य      |
| (6) स्थानीय राफ्टिंग संगम के दो सदस्य                           | .. सदस्य      |
| (7) जिला पर्यटन विकास अधिकारी/सहायक पर्यटन विकास अधिकारी        | .. सदस्य/यचिव |

7. तकनीकी समिति के कृत्य. — तकनीकी समिति, वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करेगी, एक बार सीजन के प्रारम्भ होने से पूर्व प्रत्येक वर्ष अप्रैल के प्रथम सप्ताह में और दूसरी बार प्रत्येक वर्ष अक्टूबर के अन्तिम सप्ताह में। समिति निम्नलिखित के प्रति उत्तरदायी होगी :—

- (क) नियम 3 के अनुसार सुरक्षा की दृष्टि से आपरेटर के उपकरणों का निरीक्षण और इन्हें प्रमाणित करना ;
- (ख) आपरेटर (रों) और गाइड (डों) के जीवन वृत्त की संवीक्षा करना और उनकी सुविज्ञता अभिनिश्चित करने के लिए उनके शारीरिक परीक्षण का संचालन करना तथा ऐसा करते हुए आपरेटरों और उनके गाइडों दोनों को अनुक्षति जारी करने को अनुमोदित करना ;
- (ग) यह सुनिश्चित करना कि आपरेटर और गाइड इन नियमों में उपदर्शित समस्त सुरक्षा प्रक्रियाओं का अनुसरण करेंगे ;
- (घ) नियम 11 में पहले से वर्णित के अतिरिक्त राज्य में रीवर राफ्टिंग के लिए नई नदियों और क्षेत्रों को परिक्षित करना ;
- (ङ) परिक्षित की गई नदियों जहां प्रचालन सुरक्षित रूप से संचालित किया जा सकता हों, पर सही प्रायामों को अधिसूचित करना ; और
- (च) किसी प्रचालन के प्रारम्भ से पूर्व प्रत्येक वर्ष प्रत्येक नदी की समर्थता अवधारित करना ।

8. विनियामक समिति की स्थापना और इसके कृत्य.—(1) सरकार, प्रत्येक रीवर राफ्टिंग क्षेत्र के लिए अधिसूचना द्वारा विनियामक समिति का गठन करेगी जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

- |   |            |
|---|------------|
| (क) सम्बद्ध जिला के उपायुक्त                              | .. अध्यक्ष |
| (ख) सम्बद्ध उप-मण्डलाधिकारी (सिविल) या उसका नाम निर्देशित | .. सदस्य   |
| (ग) सम्बद्ध क्षेत्र का चिकित्सा अधिकारी                   | .. सदस्य   |
| (घ) वरिष्ठ जल-क्रीड़ा अनुदेशक                             | .. सदस्य   |

(2) विनियामक समिति का, संगम की सहायता से क्षेत्र में होने वाले प्रचालनों को विनियमित करने के लिए सम्पूर्ण नियन्त्रण होगा ।

(3) विनियामक समिति प्रचालन के दौरान यह अभिनिश्चित करने के लिए, कि इन नियमों का उचित रूप से पालन किया जा रहा है, आकस्मिक निरीक्षण कर सकेगी ।

(4) विनियामक समिति को सरकार द्वारा रीवर राफ्टिंग प्रचालन से सम्बन्धित कोई अन्य कृत्य सौंपा जा सकेगा ।



अध्याय-3

सुरक्षा उपाय

9. प्रचालन के कार्यान्वयन के लिए अपेक्षित उपकरण—प्रत्येक ऑपरेटर को, उसे प्रचालन कार्यान्वयन अनुष्ठान करने में पूर्व, निम्नलिखित उपकरणों की व्यवस्था करनी होगी और निरीक्षण के समय, तकनीकी समिति प्रत्येक उपकरण की जांच करेगी तथा पर्यटन विभाग, हिमाचल प्रदेश के माध्यम से उसे स्टाम्पित करवाएगा, प्रथातः—

1. रिमाव रहित दो राफ्ट
2. अठारह जीवन रक्षक जैकट-4/5 यू0 एम0 कोस्टगार्ड की भान्ति ;
3. बारह पैडल ;
4. दो चौखटें (फ्रेमज) ;
5. छह चप्पू, अधिमानतः काष्ठोद्य चप्पू ;
6. अठारह हैलमैट ;
7. तीन प्रक्षेपण थैले ;
8. दो पम्प ;
9. छह फलिप लाइनें ;
10. दो मरम्मत करने वाले उपकरण (किटें) ;
11. दो प्राथमिक उपचार किटें ;
12. शीत ऋतु प्रचालनों अर्थात् नवम्बर से फरवरी के दौरान बैटसूट ;
13. हर समय वहन किए जाने वाले कूड़ा-कचरा वाले थैले ;
14. प्रत्येक भागी को और कर्मियों के प्रत्येक सदस्य के लिए न्यूनतम दो लाख रुपये की बीमा सुरक्षा ;
15. स्ट्रैप ;
16. ओलाइन ;
17. गाइडों के पास प्रचालित प्राथमिक उपचार अनुज्ञप्ति होनी अनिवार्य है ;
18. ड्राई बैग ;
19. बचाव के लिए संचार तन्त्र ;
20. तकनीकी समिति द्वारा विनिश्चित कोई अन्य सामान ; और
21. न्यूनतम 14 फुट, अधिकतम 22 फुट की विशेष (इन्फ्लेटेबल) (फूलने वाली) राफ्ट, जो कम्पार्टमेंन्ट लाईज्ड (विभाजित और अनमिकेबल) अर्धवृत्त हो । ये छोटे चप्पू/पैडल मिश्रण यक्ति द्वारा चलाए जाने चाहिए ।

10. प्रचालन के दौरान उपलब्ध की जाने वाली चिकित्सा सुविधाएं और अन्य सुविधाएं—(1) ऑपरेटर प्रत्येक प्रचालन के दौरान अपने साथ कम से कम दो मसज्जिन फर्स्ट एड किटें जिसमें एक त्रिभुजीय पट्टी (बैन्डेजिज), स्टेराइल पैंडस, गोजरोलर बैन्डेजें, प्रेशर बैंडैजें, फर्स्ट एड एडहैसिव टेप, स्पिलटें कैंचो होगी, वहन करेगा ।

(2) ऑपरेटर प्रचालन के दौरान दो रियेयर (मरम्मत) किटें ले जाएगा जिनमें आधा मीटर मरम्मत सामग्री, सरेम की पर्याप्त मात्रा और स्वरित रेगमाल या रफिंग टूल और जल रोधक टेप/डक टेप होगी । राफ्ट में एक चप्पू, एक चप्पू लॉक सभी राफ्टों के इवें-गिडें सुरक्षा लाईनें, लाईन और अधिमानतः साथ ही स्टर्न लाईन का वहन करेगा । सभी राफ्टों में एक थ्रो बैग, दो फलिप लाईनें और बेलिंग वाल्टी, जिसकी सहायता बेलिंग के लिए आवश्यकता नहीं हो, होगी ।

11. ऑपरेटरों के लिए सुरक्षा उपाय.—किमी भी ऑपरेटर को किसी प्रचालन को प्रचालित करने की तब तक अनुज्ञा नहीं दी जाएगी, जब तक कि :—

- (क) उसके पास भागियों के मार्गदर्शन के लिये दो गाइड न हों, और राफ्ट का प्रचालन करने वाले व्यक्तियों के पास इन नियमों में विहित अपेक्षित अर्हताएं एवं अनुभव न हों और वैसे ही सुरक्षा उपायों के लिए व्यक्तिगत रूप से उसी तरह के उपस्कर जैसे यात्रियों के लिए अपेक्षित हैं, न हों ;
- (ख) उनके पास भागियों की सुरक्षा के लिए दो बचाव राफ्ट या एक राफ्ट और क्याक न हो। इसे तरणिका जलयात्रा (फ्लोट ट्रिप्स) के लिए अर्थात् वर्ग दो तीव्र डाल (रिपिड) तक छूट दी जा सकेगी। बचाव राफ्ट हमेशा अभ्यन्तर होंगे या जल क्रीड़ा में लगे व्यक्ति या समूह के अनुपातिक सम्पर्क में होंगे। बचाव राफ्ट में आपातकालीन उपस्कर और प्रथम उपचार किट भी होनी चाहिए।
- (ग) उसके पास अठारह वर्ष की आयु से कम के गाइड न हों और सभी गाइड तैराक न हों और जल बचाव तकनीकों में सुप्रशिक्षित न हों। गाइड को तभी अर्हित समझा जाएगा जब उसके पास पांच वर्ष की न्यूनतम अवधि का प्रशिक्षण/अनुभव हो और जिसने एक हजार किलोमीटर रीवर राफ्टिंग की हो। प्रशिक्षण गाइड ने उस सैक्शन पर जिस पर उसे व्यावसायिक रूप से प्रचालन करना है, में कम से कम पन्द्रह भ्रमणों/ट्रिप्स पर स्वतन्त्र रूप से चालन किया हो। यह अर्हित गाइड/अनुदेशक के अधीन किया गया होगा। गाइड को रीवर के तीव्र डाल श्रेणी (रेपिड ग्रेड प्रवाह) का आधारभूत ज्ञान होना चाहिए और उसे उछालना व्यायाम (फिलप डील)/बचाव, थ्रो बैंग/राफ्ट मुरम्मत इत्यादि के उचित उपयोग की पूरी जानकारी होनी चाहिए। प्रत्येक गाइड, प्राथमिक उपचार/सीपीआर में अर्हित होना चाहिए और उसने सरकारी अस्पताल या किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से प्राथमिक उपचार के बुनियादी पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया हो। तकनीकी समिति, उनके अनुभव और सुविज्ञता पर आधारित गाइडों की श्रेणीकरण/क्रम निर्धारण की पद्धति को एक या दो वर्ष में आरम्भ करेगी ;
- (घ) उसके पास ऐसे राफ्टर/अनुदेशक न हो जिन्हें पानी में हर समय व्यक्तिगत जीवन रक्षा जैकेट और हेलमेट में सुसज्जित होकर जलयात्रा पर जाना हो। जीवन रक्षा जैकेट की न्यूनतम उपलब्धता/नरेशनशीलता 22.5 पीड (एल0 वी0 एस0) वर्ग ई च होनी चाहिए और जो यू0 एस0 तटरक्षक द्वारा अनुमोदित टाईप तीन या टाईप पांच हो हों और जिसमें फीतो द्वारा अच्छी, तरह बांधने की व्यवस्था सुनिश्चित हो जीवन रक्षा जैकेट सही रूप में पहनी होनी चाहिए। फुलाई हुई जीवन रक्षा जैकेट (इनफ्लेटेड लाईफ जैकेट) और कुंजी मुख के प्रकार की जीवन रक्षा (की होल टाईप लाईफ जैकेट) अनुज्ञान नहीं की जाएगी। सभी रीवर गाइड सुनिश्चित करेंगे कि जलयात्रा के आरम्भ से पूर्व भागियों ने सभी जीवन रक्षा जैकेटों और हेलमेटों को सुव्यवस्थित रूप से पहन लिया है। गाइड/अनुदेशक के पाम क्रमशः संस्तुत उपस्करों और उपसाधनों/अतिरिक्त वस्तुओं की सूची हर समय राफ्टिंग स्थल पर उपदर्शित और उपलब्ध होनी चाहिए ;
- (ङ) उसने सुनिश्चित न किया हो कि प्रत्येक अमोद यात्रा के आरम्भ से पूर्व भागियों को दिए गए समस्त सुरक्षा व्योरो को पूरा किया गया है। ऑपरेटर सुनिश्चित करेगा कि सभी भागी उपयुक्त वस्त्रों में हों (भारी वस्त्रों, माइियों, पगडियों, टाई कण्ठबन्धों, लम्बे स्कर्टों और थ्रो-पीस सूट परिवर्जित होंगे) हों। गैर-तैराकों को शरीर पर (बाडी सर्क) अनुज्ञान नहीं होगा। बरसाती सूट (वेट सूट) केवल शीत ऋतु के दौरान और शीतवयु तापमान वाली हिम नदियों में ही पहने जाएंगे ;
- (च) वह प्रत्येक राफ्ट की एक लाग बूक न रखना हो, जो उनके द्वारा उपयोग किए गए निरीक्षण मुरम्मत, व सुरक्षा उपायों का एक अभिलेख होगा। जिस पक्ष के लिए कर्नव्य/काम (डियटी) पर तैनात संगम के सदस्य द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा। निरीक्षण प्राधिकारी, यात्रा की तारीख को लाग बूक को भी प्रतिहस्ताक्षरित करेगा और अपनी टिप्पणियों की भी अभिलेखित करेगा ;
- (छ) उसने राफ्टिंग स्थल पर राफ्ट की सामर्थ्य/क्षमता को उपदर्शित न किया हो और उपभोक्ताओं/प्राप्तताओं के लिए इस चेतावनी सहित की समर्थ्य/क्षमता में अधिक व्यक्तियों को ले जाना खतरनाक होगा, दृश्यमान न किया हो ;

- (ज) सरकार, हिमाचल प्रदेश में नदियों के तटों/किनारों पर कैप आयोजित करने के लिए उन पर फीस प्रभारित करते हुए, जिसकी आय संगम की प्राप्ति होगी, प्रचालन स्थलों को विकसित और आवंटित न करें; और
- (झ) तकनीकी समिति, संगम के परामर्श से, सीजन के लिए प्रचालन पक्ष के आधार पर उपदर्शित करते हुए रोस्टर अधिसूचित न करे। आपरेटर नदी मार्ग पर पक्ष के लिए सुरक्षा मानदण्डों का कड़ा पालन सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होगा।

12. आपरेटरों के कर्तव्य.—(1) आपरेटर सभी घटनाओं/दुर्घटनाओं की संगम/जिला प्रशासन तकनीकी समिति के अध्यक्ष को तुरन्त रिपोर्ट करेगा।

(2) आपरेटर, यह सुनिश्चित करेगा कि रीवर राफ्टिंग सूर्यग्रहण के एक घण्टे पूर्व या 6.00 बजे सांय, जो भी पूर्वतर हो, समाप्त हो जाएगी। आपरेटर, सीजन के लिए कालावधि, प्रचालन प्रारम्भ करने से पूर्व अपने उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक)/सम्बद्ध पुलिस थाना/जिला पर्यटन विकास अधिकारी/महायक पर्यटन विकास अधिकारी को समय सारणी और प्रचालन के स्वरूप के बारे में सूचित करेगा।

(3) आपरेटर, पर्यावरण को स्वच्छ रखेगा। यदि कोई आपरेटर या भागी अथवा गाइड पर्यावरण मार्ग इन्जंक् सिद्धांतों का पालन न करता हुआ पाया जाता है, तो उसकी अनुज्ञप्ति निलम्बित कर दी जाएगी उससे न्यूनतम पांच हजार रुपये जुर्माना प्रभारित किया जाएगा।

(4) आपरेटर आगन्तुकों और भागियों की जानकारी के लिए राफ्ट पर पटलित अनुज्ञप्ति (लैमिनेटेड लाईसंस और सुरक्षा मार्गदर्शक सिद्धान्तों को उपदर्शित करेगा और किसी प्राधिकारी के मांगने पर उसे उन्हें प्रस्तुत करना होगा।

13. किसी दुर्घटना के कारण दावा.—राज्य सरकार/पर्यटन विभाग, किसी दुर्घटना के कारण किसी दावे को लिए, किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं होगा।

14. आपरेटर के लिए अन्य सुरक्षा उपाय.—आपरेटर सुनिश्चित करेगा कि :—

- (क) बारह वर्ष या चालीस किलोग्राम से कम भार के बच्चों को नदी के दो तीव्रदाल (टू-रेपिड) से अधिक जाने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ;
- (ख) सभी भागियों और कर्मियों के सदस्यों को पूर्ण सुरक्षा, साज-समान (गियर), 50 एस0 टट रक्षक द्वारा अनुमोदित रक्षा जैकटें, हेलमेट, जल रोधक शूल्स और कैप लगाने वाले साज-सामान उपलब्ध करवाए जाएंगे ;
- (ग) प्रत्येक अमोद यात्रा के प्रारम्भ पर सभी भागियों को पूर्ण सुरक्षा हेतु सक्षिप्त विवरण देना आज्ञापक बनाया जाएगा ;
- (घ) दुर्बल हृदय स्थिति, मिरगी, फेफड़ा विकार, दमा से ग्रस्त व्यक्तियों और गर्भवती महिलाओं को प्रचालन में भाग लेने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ;
- (ङ) अभिभावी परिस्थितियों पर निर्भर किसी अमोद यात्रा के परिवर्तन या रद्द करने का अधिकार तकनीकी समिति/पर्यटन विभाग में निहित रहेगा ;
- (च) प्रत्येक भागी, प्रचालन के प्रारम्भ से पूर्व उपावध 'क' पर एक वचन (अन्डरटेकिंग) देगा ;
- (छ) आपरेटर, का यह उत्तरदायित्व होगा कि भागी इन नियमों में अधिकथित मानकों का कड़ाई से अनुसरण करे ;
- (ज) गैर-तैराकों को तीव्रदाल वर्ग-2 (रैपिड क्लास-2) से आगे जाना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ;
- (झ) प्रचालन से कम से कम आठ घण्टे पूर्व, किसी भी रूप में या मात्रा में मद्यपान करने वाले या अवध मादक द्रव्य का प्रयोग करने वाले किसी व्यक्ति को, प्रचालन में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ; और
- (ञ) किसी भी विदेशी गाइड को तब तक ऐसे किसी प्रचालन में भाग लेने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी जब तक कि उसके पास पर्याप्त अनुभव और उपस्कर न हों।

## अध्याय-4

## प्रकीर्ण

15. रीवर राफ्टिंग के लिए क्षेत्र :—रीवर राफ्टिंग निम्नलिखित नदियों के निम्नलिखित आयामों पर ही परि-  
सीमित होगी :—

1. व्यास	शमशी से झेरी तक ।
2. व्यास	बेदली से पिरडी ;
3. सतलुज	लूहरी से तत्तापानी ;
4. भागा	दारवा से जिस्पा ; और
5. स्मिति रीवर	काजा पुल से ताबो तक ।

16. तीव्रढाल श्रेणी (रेपिड ग्रेडिंग) का वर्गीकरण :—(1) तकनीकी समिति अन्तर्राष्ट्रीय मानदण्डों के अनुसार  
राफ्टिंग प्रयोजनों के लिए परिलिखित की गई सभी नदियों का वर्गीकरण निम्नलिखित रीति में करेगी, अर्थात् :—

वर्ग-1 सुकर चलने वाला पानी, छोटी लहरें, अवरोध रहित ।

वर्ग-2 स्पष्ट मार्ग सहित, मामूली कठिनाई ।

वर्ग-3 कठिन उच्च अनियमित लहरें, संकीर्ण स्पष्ट मार्ग, जिसके लिए परिशुद्ध स्थिति परिवर्तन अपेक्षित है ।

वर्ग-4 अति कठिन लम्बे तीव्र ढाल, गतिनशाली, अनियमित लहरें और द्रवचालित, जिसके लिए परिशुद्ध स्थिति  
परिवर्तन अपेक्षित है ।

वर्ग-5 अत्यधिक कठिन, लम्बा तीव्र और अति संकुलित तीव्र ढाल, केवल विशेषज्ञों की टीम के लिए ।

वर्ग-6 न चलने योग्य (अनरनएबल) ।

(2) पर्यटकों को वर्ग-2 तीव्र ढाल से आगे जाना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

17. रजिस्ट्रीकरण फीस, और उपभोक्ता फीस का संग्रहण :—ऑपरेटर प्रचालन प्रारम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित  
फीसें संदत्त करेगा :—

- (क) उपभोक्ता फीस पन्द्रह सौ रुपये प्रति राफ्ट, प्रतिवर्ष और पाँध सौ रुपये प्रति गाइड, प्रति वर्ष ।
- (ख) प्रसुविधा फीस, ऐसी दर पर जैसी जिला पर्यटन विकास अधिकारी द्वारा, संगम के परामर्श से निश्चित की  
जाए, प्रभाविता की जाएगी, यदि बढ़ने और उतरने के स्थानों पर सरकारी निधियों से सुविधाएं स्थापित  
की गई हैं ।
- (ग) उपर्युक्त स्त्रोतों से संगृहीत निधियां संगम के बैंक लेखा में जमा करवाई जाएंगी जिसका परिचालन  
संगम और जिला पर्यटन विकास अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा ।
- (घ) निधियां, केवल रीवर राफ्टिंग के उन्तयन मरम्मत और खेल-कूद से सम्बद्ध सामान्य प्रसुविधाओं के  
लिए ही उपयोग में लाई जाएंगी ।

18. संगम का बनाया जाना :—सरकार, रीवर राफ्टिंग के प्रयोजन के लिए मुख्य नदियों में से प्रत्येक के लिए  
संगम बनाएगी जिनमें कम से कम सरकार के दो नाम निर्देशित होंगे और संगम के अन्य सदस्य, स्थानीय लोगों,  
जिनकी रीवर राफ्टिंग में रुचि है से लिए जाएंगे ।

19. संगम के कृत्य :—(1) संगम, राफ्टिंग के सुरक्षित एवं सुविधाजनक संचालन में सहयोग करेगा ।

(2) संगम ऑपरेटर को सहायता दे सकेगा, जब उसे इसके लिए कहा जाए ।

(3) संगम प्रचालन के भागीदारों और कर्मियों के शिविर लगाने, आवास और भोजन व्यवस्था का प्रबंध कर सकेगा।

(4) संगम प्रचालन को स्वयं संचालित कर सकेगा।

(5) संगम किन्हीं अन्य कृत्यों, जो सरकार द्वारा संगम को समनुदेशित किए जाएं संचालित करेगा।

20. संगम की अनुशासन समिति.—संगम रांवर राफ्टिंग के क्रीडा के सुरक्षा और सफाई पहलुओं को विनियमित करने की तीन से पांच सदस्यों में से समाविष्ट अनुशासन समिति बनाएगा।

उपावन्ध—'क'

वचनबन्ध

[नियम 14(च) देखें]

मुझे सूचित किया गया है और मुझे जानकारी है कि रांवर राफ्टिंग खतरनाक हो सकती है और इसमें बहुत से जोखिम और खतरे हैं, जो राफ्ट द्वारा यात्रा करने के परिसंकट, दूर वर्ती स्थानों में दुर्घटना या बीमारी, चिकित्सा सुविधाओं के अभाव, प्राकृतिक शक्तियों, देवकुत्तों, अत्यन्त कठिन मौसम, शारीरिक परिश्रम जिसके लिए मैं तैयार न हो सकूँ तक ही सीमित नहीं है और निष्क्रमण कठिनाईयों में, यदि मैं घायल या विकलांग हो जाऊँ जिसकी वापस मुझे सूचित किया गया है और इन अन्य अस्तित्व और प्रभावित अमोद यात्रा के जोखिमों की जानकारी है और मैं अभिस्वीकार करता हूँ कि घर और काम की नियमित सुरक्षा से बाहर साहसिक कार्य का अन्तर्द इस अमोद यात्रा में मेरी भागीदारी के लिए पर्याप्त कारण है।

पूर्वलिखित के पूर्ण स्वीकृति में, और आपरेटर (आपरेटर का नाम, जो हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास एवं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2002 के प्रधान रजिस्ट्रीकृत यात्रा अभिकर्ता है) उसके अभिकर्ता सहयोगी, समनुदेशित, कर्मचारी एवं गाइडों तथा हित उत्तराधिकारी जिस, इसमें इसके पश्चात् "आपरेटर" के रूप में निर्दिष्ट किया गया है के तत्वाधान में किसी साहसिक व्यवसाय में मेरी भागीदारी के लिये आरक्षण और स्वीकृति किए जाने के विचार हेतु, मैं एतद् द्वारा निम्न करार करता हूँ :—

मैं, अपने, अपनी निजी प्रतिनिधियों, वारिसों समनुदेशितियों और निकटतम सम्बन्धियों के किन्हीं या समस्त हानियों, नुकसानों या क्षतियों और मुझे या मेरी सम्पत्ति को किसी क्षति के कारण किसी दावे, मांग या किसी हेतुक जिसमें मेरे साहसिक कार्य (एडवेंचर) में भाग लेते समय आपरेटर या अन्य की अपेक्षा भी है, से होने वाली मेरी मृत्यु के समस्त या किसी दायित्व के लिए एतद्द्वारा निर्मुक्त, अधित्यक्त, क्षतिपूर्ति करने के साथ हिमाचल प्रदेश सरकार के आपरेटर के विरुद्ध वाद न लाने का करार करता हूँ। मैं पुनः करार करता हूँ कि मैं जोखिम को समझता हूँ और आपरेटर को मेरे शरीर या सम्पत्ति को किसी भी क्षति या नुकसान या दुर्घटना, जिसके अन्तर्गत पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं को अभिप्राप्त करने, निष्कात करने या चिकित्सा, दवाई या प्रशिक्षित बचाव कर्मों उपलब्ध करवाने में असफलता भी है, के दायित्व से निर्मुक्त करता हूँ।

मैं आगे सहमत हूँ कि यदि मैं घायल या बिमार हो जाता हूँ, तो आपरेटर मेरी सुरक्षा और भलाई के लिए, मेरी और से मेरे खर्च पर, ऐसी सेवाएं जैसी वह आवश्यक या समुचित समझे, चिकित्सीय उपचार निष्क्रमण या कोई अन्य आपात सेवाओं की व्यवस्था प्रदान कर सकेगा।

मैं, सुस्पष्ट रूप से अभिस्वीकार और इकरार करता हूँ कि साहसिक यात्रा, जिसमें आपरेटर का साहसिक अमोद यात्रा भी सम्मिलित है, जिसमें, मैं भाग ले रहा हूँ खतरनाक हो सकती है और जिसके अन्तर्गत गम्भीर और अभ्युत्त

शारीरिक चोट, सम्पत्ति हानि और मृत्यु हो सकती है और ऐसे मेरा पूर्ववर्ति-अभित्याग और आपरेटर की मुक्ति से, विधि द्वारा यथा-अनुज्ञात यथा-उदार/विस्तृत सम्मिलित अभिप्राय है, मैं सुरक्षा के विषय में आपरेटर के मौखिक या लिखित अभ्यावेदन पर निर्भर नहीं कर रहा हूँ मैं अपनी स्वेच्छा से इस करार को कर रहा हूँ।

मैंने पढ़ लिया है और मैं आपरेटर की विवरणिका में अन्यत्र सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यथाकथित रद्दकरण और प्रतिदाय पर पालिसी से सहमत हूँ। मुझे ज्ञात है कि यदि मैं सर्व साधारण की जानकारी के उप-शीर्ष बीमा के अधीन यथा प्रस्तुत बीमा कवर को न खरीदना चुनता हूँ, तो मैं किसी भी तरह कारित रद्दकरण, अमोद यात्रा, विलम्ब, सामान का नुकसान या हानि की दशा में, समस्त लागत के लिये दायी होऊंगा।

मैं आगे सहमत हूँ कि रीवर राफ्टिंग में मेरी भागीदारी और या इस करार या अधिमान देने अथवा उसके निर्वचन से सम्बन्धित कोई विवाद या दावा उत्पन्न होता है तो उसे माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अनुसार हिमाचल प्रदेश शिमला में आबदकर माध्यस्थम द्वारा निपटाया जायेगा।

मैं, सहमत हूँ कि रीवर राफ्टिंग अमोद यात्रा में भाग लेते समय मेरे कब्जे में कोई मद्य या अर्बध औषधी नहीं होगी।

मैंने इस दायित्व के सभी निबंधनों को और खतरे की धारणों को पढ़ और समझ लिया है और अपनी स्वेच्छा और बिना संकोच के इससे सहमत हूँ।

भागीदार का नाम

.....

पता .....

.....

तारीख .....

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this department notification No. Tsm-F(5)-9/2000, dated 10-6-05 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India].

## TOURISM & CIVIL AVIATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 10th June, 2005

No. Tsm-F(5)-9/2000.—Whereas the draft Himachal Pradesh River Rafting Rules, 2002 were published in the Rajpatra Himachal Pradesh (Extra Ordinary), dated 28-9-2002 vide this Department Notification of even number dated the 24th August, 2002 for inviting objections/suggestions from the general public, as required under the provision of clause (f) and (g) of sub-section (2) of section 64 of the Himachal Pradesh Tourism Development and Registration Act, 2002 (Act No. 15 of 2002).

And whereas, no objection(s) suggestion(s) has been received in this behalf during the stipulated period ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred under clauses (f) and (g) of sub-section (2) of section 64 of the Himachal Pradesh Tourism Development and Registration Act, 2002, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules for carrying out the purpose of the aforesaid Act, namely:—

## RULES

### CHAPTER-I

#### Preliminary

1. *Short title extent and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh River Rafting Rules, 2005.

(2) These rules shall extent to the whole of the State of Himachal Pradesh.

(3) They shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Definitions.*—(1) In these Rules unless there is any thing repugnant in the subject or context:—

(a) “Act” means the Himachal Pradesh Tourism Development and Registration Act, 2002;

(b) “association” means a society registered under the Himachal Pradesh Cooperative Society Act, 1968;

(c) “New member” means the persons who conduct the river rafting operation including the guides accompanying the operation;

(d) “guide” means a person who for the purposes of these rules, are registered as such and accompany the operation for guiding it's smooth and safe completion.

(e) “operator” means as travel agent(s) whether individual company or an association or a society who is registered as such under the Act for carrying out the river rafting;

(f) “operation” means a river rafting trip to be undertaken or undertaken under these rules.

(g) “participant” means the person(s) who participate in an operation

(h) “raft” means a floated structure as a substitute for a boat to be floated down on a river;

(i) “season” for the purposes of these rules means whole of the year excluding the period from 15th July to 15th September during which no river rafting operation shall be permitted:

Provided that rafting operation may be permitted in District Lahaul and Spiti during the 15th July to 15th September, if the whether conditions permit to do so;

(j) “section” means a section of the Act;

(k) "travel agent" for the purposes of these rules means a person who is registered and engaged in the business of river rafting operation arrangements for monetary considerations ; and

(l) "Technical Committee" means committee constituted by the State Government under rule 6 .

(2) Words and expressions used in these rules but not defined in these rules shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

## CHAPTER-II

### REGISTRATION

3. *Procedure for application for River Rafting.*—(1) Applications for river rafting operation during the ensuing season shall be received in the office of District Tourism Development Officers or Assistant Tourism Development Officer, as the case may be, from the operator from 1st of January to 1st of April, each year. The concerned District Tourism Development Officer or Assistant Tourism Development Officer, as the case may be, shall scrutinize these applications initially and put up the same before the Technical Committee, which shall hold the meeting before 15th of April each year and fix date time and venue for the scrutiny/inspection of the documents, equipments, conducting practical physical tests of guides and final approval by giving at least 15 days clear notice to all the qualified operators.

(2) No operator shall be permitted to operate river rafting in the middle of the season. All operator shall, follow the procedure as laid down in sub rule (1).

(3) The operator(s) or Associations, as the case may, shall be registered with the Tourism Department, Himachal Pradesh and have a local office for atleast one year.

4. *Registration and qualifications of operator for river rafting.*—(1) An operator intending to operate river rafting shall apply for registration to the concerned, District Tourism Development Officer or Assistant Tourism Development Officer, as the case may be, alongwith a demand draft of Rs. 100/- in favour of concerned District Tourism Development Officer or Assistant Tourism Development Officer, as the case may be. The District Tourism Development Officer Assistant Development Officer, as the case may be, shall issue a certificate of registration to the concerned operator after the approval of the Technical Committee. The licence so issued shall be valid for a period of one year from the date of issue.

(2) No person other than a operator registered for carrying out the river rafting operations shall be permitted to carry on any operation either directly himself for through his employees unless the Technical Committee is satisfied that the operator has all the equipments and he/she fulfills other requirements under these rules and his/her proposal has been duly approved/cleared by the technical committee.

(3) No operator shall be permitted to operate the river rafting unless he/she has trained and qualified guides with atleast experience of 5 years in river rafting of the required standard with good track records.

5. *Registration and qualifications of the guide.*—A person intending to participate in an operation as a guide shall apply to the concerned District Tourism Development Officer or Assistant Tourism Development Officer, as the case may be, in an application alongwith



a Bank-demand draft of Rs. 100/- in favour of District Tourism Development Officer, Assistant Tourism Development Officer, as the case may be, who on being satisfied that the person applying for registration fulfills the requisite qualifications and standard for registration with the approval of Technical Committee shall issue a certificate to the person applying for registration. The certificate so issued shall be valid for a period of one year.

6. *Constitution of the Technical Committee.*—The Government shall, by notification constitute a Technical Committee for each of river rafting, which shall be consisted of the following members namely:—

- |  |                         |
|--|-------------------------|
| 1. The Director, Mountaineering Institute Manali                                     | .. Chairman             |
| 2. The Sub Divisional Officer (Civil) concerned<br>Member or his representative.     | .. Member               |
| 3. The Superintendent of Police of the concerned area or<br>his representative.      | .. Member               |
| 4. The Chief Medical Officer of the Concerned area on his<br>representative.         | .. Member               |
| 5. The Senior Water Sports Instructor  | .. Member               |
| 6. Two members of the Local Rafting Associations                                     | .. Member               |
| 7. The District Tourism Development Officer/Assistant<br>Tourism Development Officer | .. Member<br>Secretary. |

7. *Functions of the Technical Committee.*—The Technical Committee shall meet at least twice a year, once before the start of season in the first week of April every year and the second in the last week of October every year. The Committee shall be responsible for the following:—

- to inspect and certify the equipment with the operator from safety point of view as per rule 3;
- to scrutinize the bio data of the operator(s) and guide(s) and to conduct their physical test in order to ascertain their expertise and by doing so to approve the issue of license both to the operators as well as their guides;
- to ensure that the operator(s) and the guide(s) shall follow all safety procedures indicated in these rules;
- to identify new river and areas for river rafting in the State apart from those already mentioned in rule 11.
- to identify the exact stretches on the identified rivers where operation can be safely conducted; and
- to determine the river capacity of each river every year before the start of any operation.
- to determine the medical fitness of the guides.

8. *Establishment of the Regulatory Committee and its function.*—(1) The Government shall by notification constitute a Regulatory Committee for each river rafting area consisting of the following:—

- |  |             |
|--|-------------|
| (a) The Deputy Commissioner of the concerned District,       | .. Chairman |
| (b) Sub-Divisional Officer concerned (Civil) or his nominee, | .. Member   |

(c) Medical Officer of the concerned area, and .. Member

(d) Senior Water Sports Instructor. .. Member

(2) The Regulatory Committee shall have the overall control for regulating the operations taking place in the area with the assistance of the Association.

(3) The Regulatory Committee may conduct surprise inspections during the operation to ascertain that these rules are being implemented properly.

(4) The Regulatory Committee may be entrusted with any other function in relation to river rafting operation by the Government.

### CHAPTER-III

### SAFETY MEASURES

9. *Equipments required for carrying out operation.*—Each operator shall have to arrange for the following equipments before he is permitted to carry out the operation and at the time of inspection the Technical Committee shall check each equipment and shall get the same stamped through the Tourism Department, Himachal Pradesh, namely:—

1. two rafts with no leaks;
2. eighteen lifejackets—US Coastguard Type 4.5 ;
3. twelve Paddles ;
4. two frames ;
5. six oars, preferably wooden oars ;
6. eighteen Helmets ;
7. three throw bags ;
8. Two Pumps ;
9. six Flip Lines ;
10. two repair Kits ;
11. Two First Aid Kits ;
12. wetsuits for winter operations i.e. during November to February ;
13. garbage bags to be carried at all times ;
14. Insurance Cover of Each of the participants and crew members of minimum Rs. two lacs each ;
15. straps ;
16. bowline ;
17. guides must have current first aid licence ;
18. dry Bags ;
19. communication set up for rescue ;
20. any other thing decided by the technical committee ; and
21. special inflatable raft ; minimum 14ft—maximum 22ft. which are compartmentalized and unsinkable. They should be maneuvered by an oar/paddle combination.

10. *Medical facilities and other facilities to be available during operation.*—(1) The operator during each operation shall carry two well-equipped first aid kits consisting of triangular bandages, sterile pads, gauze roller bandages, pressure bandages, first aid adhesive tape, splints, scissors, as a bare minimum.

(2) The operator during an operation shall carry two repair kits, which shall contain half a meter of repair material sufficient amount of glue and accelerator, sand paper or roughing

tool and water proof tape/duck tape. A raft shall also carry an oar, an oar lock, safety lines around all the raft a bow line and preferably astern line as well. All rafts shall have a throw bag, two flip lines and a bailing bucket not needed for self bailing.

11. *Safety measures for operators.*—No operator shall be permitted to operate an operation unless:—

- (a) he has two guides for the guidance of participants and the persons operating the raft having the requisite qualifications and experience prescribed under these rules and have equipment individually for safety for measures on the same lines as are required for participants ;
- (5) he has two rescue rafts or one raft and a kayak for the safety of the participants. This may be relaxed for a float trip i.e. upto class two rapid Rescue rafts shall always be inside or in a ratio contact with the person or group engaged in water sports. The rescue rafts should also carry emergency equipments and first aid kit ;
- (c) he has guides not less than 18 years of age and all guides are swimmers and are well-trained in water rescue techniques. A guide shall deemed to be qualified with a minimum training experience period of five years and has completed river rafting of 1000km. A trainee guide shall have guided independently at least for 15 trips on the section in which he is to operate commercially. This shall be done under a qualified guide/instructor. The guide shall have the basic knowledge of the current on the river grades of rapids, should be well versed with use of trip drill rescue proper, use of the throw bag raft repair etc. Every guide must be qualified in first aid/CPR and he/she should have successfully completed the basic course in first aid from Govt. hospital or any recognized institution. The technical committee shall introduce in a year or two a system of grading of guides depending upon their experience and expertise ;
- (d) he has rafters/instructors and guides who are to accompany the trip equipped with personal life jacket and a helmet at all times on the water. The life jackets must give a minimum buoyancy of 22.5 lbs a sq. inch, and must be type three or type have US Coast guard approved. with a provision of ensuring a snug fit by straps. The life jacket must be worn correctly. Inflated life jackets and Keyhole type lifejacket shall not be permitted. All river guides shall ensure that all the lifejackets and helmets are snugly on the participants before start of the trip. The list of the equipments and accessories recommended must be displayed and available at all times at the rafting site and with the guide/instructor respectively.
- (e) he has ensured that the guides shall cover all safety details for the trip as given to the participants before start of every trip. The operator shall ensure that all the participants are in a suitable attire (bulky clothes, sarees, turbans, neck ties, long skirts and three piece suites shall be avoided). Non-swimmers shall not be allowed to body surf. Wet suits shall be worn during winters and in glacier melt rivers with cold air temperatures ;
- (f) he maintains a log book of each raft, which shall be a record of usage, inspection, repairs and safety measures to be undertaken by them. This shall be countersigned by the member of the Association on duty or the fortnight. The inspecting authorities shall also countersign the log book on the date of the visit and record his remarks ;

- (g) he has displayed the capacity of the rafts at the rafting site and made visible to the user along with a warning that to carry more persons than the capacity shall be dangerous;
- (h) the Government develops and allots the operation sites for staging camps on the banks of the rivers in Himachal Pradesh on charging fees for the same, income of which shall accrue to the Association; and
- (i) The Technical Committee in consultant with the Association shall notify a roster indicating on fortnight basis the "Operation" for the season. The operator shall be responsible for ensuring the strict adherence to safety standards for the fortnight on the river course.

**12. Duties of the "operator on duty" and other operators.**—(1) The operator shall report all incident/accident immediately to the Association District Administration/Chairman Technical Committee.

(2) The operator shall ensure that the river rafting shall finish one hour before sunset or 6 PM whichever is earlier. Operators shall, before commencing operations for the season inform the respective SDO (Civil)/Police Station concerned, District Tourism Development Officer/Assistant Tourism development Officer regarding the duration, timings and nature of operations for the season.

(3) The operator shall keep the environment clean in case, if any operator or participants or guides is found not adhering to the environment guidelines, his license will be suspended and a minimum fine of Rs. 5,000/- shall be charged.

(4) The operator shall display the laminated license and safety guidelines on the raft for the knowledge of the visitors and participants and he shall have to produce the same when asked by any authority to do so.

**13. Claim on account of any mishap.**—The State Government Tourism department, shall, in no way be responsible for any claims on account of any mishap.

**14. Other safety measures for operator.**—(1) The operator shall ensure that:—

- (a) children below 12 years or less than 40 kg. shall not be permitted beyond two rapid of the river;
- (b) all participants and crew members shall be provided with full safety gear, US coast guard approved lifejackets, helmets, water proof dry bags, and camping gear;
- (c) complete safety briefing to all the participants at the start of each trip shall be mandatory made ;
- (d) persons suffering from weak heart conditions, epilepsy, lung disorder, asthma and pregnant women shall not be allowed to participate in the operation ;
- (e) the right to alter or cancel any trip depending on the prevailing conditions vests with the Technical Committee Tourism Department.
- (f) each participant shall give an undertaking as at annexure-"A" before the start of the operation ;

- (g) it shall be the responsibility of the operator that the participants shall adhere strictly to the norms laid down in these rules;
- (h) non-Swimmers shall not be allowed to go beyond rapid class 2 ;
- (i) any person consuming alcohol in any form or quantity or illicit drugs at least hours prior to the operation shall not be permitted to participate in the operation ; and
- (j) no foreign guide shall be permitted to participate as such in an operation unless he/she has adequate experience and equipments.

#### CHAPTER-IV

#### Miscellaneous

**15. Areas for river rafting.**—River Rafting to begin with shall be confined only on the following stretches of the following rivers:—

- |                 |                       |
|-----------------|-----------------------|
| (i) Beas—       | Shamshi to Jheri;     |
| (ii) Beas—      | Bebli to Pirdi;       |
| (iii) Sutlej—   | Luhri to Tattapani;   |
| (iv) Bhaga—     | Darcha to Jispa ; and |
| (v) Spiti River | Kaza bridge to Tabbo. |

**16. Classification of rapid grading.**—(1) The Technical Committee shall grade all the rivers identified for rafting purposes in following manner as per international standards, namely:—

Class 1 : Easy moving water, small waves, no obstacles.

Class 2 : Moderate Difficulty, with clear passage.

Class 3 : Difficult High irregular waves, narrow clear passage, require precise maneuvering.

Class 4 : Very Difficult long rapid, powerful irregular waves and hydraulics, require precise maneuvering.

Class 5 : Extremely difficult, long violent, and highly congested rapid, for team of experts only ;

Class 6 : Unrunnable.

(2) Tourists shall not be allowed beyond Class 2 rapid.

**17. Collection of Registration Fees and User fee.**—The operator shall, pay the following fees before commencing the operations:—

(a) User Fee Rs. 1500/- per raft, per year and Rs. 500/- per guide, per year.

(b) Facility Fee shall be charged at such rate as may be determined by Distt. Tourism Development Officer in consultation with the Association in case facilities have been created out of govt. funds at the boarding and landing sites.

(c) The funds collected from the above sources shall be deposited in the bank account of the Association, which shall be operated jointly by the Association and the Distt. Tourism Development Officer.

(d) Funds shall be used only for the promotion of river rafting repair and maintenance of common facilities connected with the spot.

18. *Association to be formed.*—The Government shall form associations for each of the major rivers for the purpose of river rafting in which there shall be atleast two nominees of the Government and other members of the association shall be taken from amongst the local people who have interest in the river rafting.

19. *Functions of the Association.*—(1) The Association shall collaborate in the safe and convenient conduct of rafting.

(2) The Association may extend assistance to the operator when asked for.

(3) The Association may manage the camping lodging and boarding of the participants of the operation and the crew members.

(4) The Association may conduct the operation on its own.

(5) The Association shall conduct any other functions that may be assigned to the Association by the Government.

20. *Disciplinary Committee of Association.*—The Association shall form a Disciplinary Committee comprising of three to five members to regulate the safety and cleanliness aspect of the sport of river rafting.

### Undertaking

(See rule 14 (f))

I have been informed and I am aware that river rafting can be dangerous and includes many risks, and dangers, including but not limited to the hazards of traveling by raft accident or illness in remote places, without medical facilities, force of nature, acts of God, extreme weather conditions, physical exertion for which I may not be prepared and evacuation difficulties, should I be injured or disabled I have been informed and am aware of these and other inherent risks, and of the proposed trip and acknowledge that the enjoyment of adventuring beyond normal safety of home and work is in part the reason for my participation on this trip.

In full recognition of the foregoing and in consideration of being granted a reservation and acceptance for my participation in an adventure vacation under the auspices of (name of operator who is registered travel agent under the Himachal Pradesh Tourism Development and Registration Act, 2002), operator his agents associates, assigns, employees and guides and successors in interest hereinafter referred as "the operator", I hereby agree as follows :

I hereby release, waive, indemnify and agree not to sue the operator or Government of Himachal Pradesh for all or any liability to me, my personal representatives, heirs, assigns and next of kin, for any and all losses, damages, or injuries or any claim or demand on account of any injury to my person or property, or on account of my death resulting from any cause, including negligence of operator, or others, while I am

participating in adventure, I further agree that I will assume the risk and will release operator of any liability for any injury or damage to my body or property or my death due to any negative failure to obtain or administer appropriate rescue operations in the event of injury or mishap, including failure to obtain adequate medical services, to evacuate or to supply treatment, medicine, or trained rescue personnel.

I further agree that if I am injured or fall ill, operator may at my cost, arrange, or supply medical treatment, evacuation, or any other emergency services on my behalf as operator deems necessary or appropriate for my safety and well being.

I expressly acknowledge and agree that adventure travel, including the operators adventure trip in which I am participating can be dangerous and involves serious and unprecedented of bodily injury, property damage and death and I intend the forgoing waiver and release of operator to be as broad and inclusive as permitted by law, that I am not relying on oral or written representations of operator regarding safety, that I am entering this agreement at my own free will.

I have read and agree to the policy on cancellation and refunds as stated in the general information elsewhere in the operator brochure. I am aware that should I choose not to purchase insurance cover as put forth under the insurance sub head of general information, I will be liable for all costs in the case of cancellations, trip delays, damage or loss of baggage and medical emergency howsoever caused.

I further agree that any controversy or claim arising out of or relating to my participation in the river rafting and or this agreement or making preference, or interpretation thereof shall be settled by binding arbitration in Shimla. Himachal Pradesh in accordance with the Arbitration and conciliation Act, 1996.

I further agree that I will have no liquor or illegal drugs in my possession when participating in the river rafting trip.

I have read and understood all of the terms of this liability and assumption of risk and agree to it of my own free will and without reservation.

Participant's Name.....

Address.....

.....

Date.....

By order,

Sd/-

Principal Secretary (Tourism).

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।